हरियाणा सरकार

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण , सिरसा।

2009-10

अर्थ तथा सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग,
हरियाणा पंचकूला द्वारा प्रकाशित

आमुख

प्रस्तुत पुस्तिका जिला सिरसा का बीसवां अंक हैं । इसमें जिलें की आर्थिक स्थिति पर लगभग सभी महत्वपूर्ण तथा आर्थिक पहलूओं पर मुख्यतः जनसंख्या ,वन ,कृषि ,पशुपालन ,परिवहन ,मत्स्य ,विद्युत ,खनिज एंव उद्योग ,सड़क ,डाक व तार घर ,श्रम एंव सहकारिता बैंक ,शिक्षा ,स्वास्थ्य आादि के आंकड़े शामिल हैं ।

यह पुस्तक प्रशासनिक निर्णयों एवं योजना नीति तैयार करने में अत्यधिक उपयोगी रहेगी । यह पुस्तक समय–समय पर विभिन्न कार्यालयों एवं निजि संस्थाओं को आंकड़े उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्व होगी । इसमें वर्ष 2009–10 के आंकड़ें लिये गये हैं । यह पुस्तक **श्री शिवतेज सिंह**, सांख्यिकीय सहायक द्वारा **श्रीमती अमिता चौधरी**, जिला सांख्यिकीय अधिकारी , सिरसा के मार्गदर्शन में तैयार की गई हैं ।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण, जिला सिरसा ।

विषय –सूची

क्र. स.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	**स्थिति तथा भौतिक विषेषताएं**	1–7
	स्थिति	
	क्षेत्रफल तथा प्रषासनिक ढांचा	
	भौतिक विशेषताएं	
	जलवायु एवं वर्षा	
	भूमि	
	जल स्तर	
2.	**जनसंख्या**	8–12
	जनसंख्या के आंकडे	
	जनसंख्या का घनत्व	
	ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या	
	लिंग जाति अनुपात	
	साक्षरता	
	अनुसूचित जाति संख्या	
	कामगार	
	रिहायशी परिवारो की संख्या	
3.	**वन**	12
4.	**कृषि**	12–16
	प्रयोग की गई भूमि का विवरण	
	जोते	
	फसलों की पद्वति एवं तीव्रता	
	वाणिज्य फसलें	
	प्रति हैक्टेयर औसत उपज	
	बागवानी एवं सब्जियां	
	खाद एवं वितरण	
	पौधा संरक्षण	
	कृषि उपज का संग्रहण एवं वितरण	
	कृषि उत्पाद की आमद	
	भूमि विकास योजनाएं	
	संग्रहण योजनाएं	
5.	**सिंचाई**	16–17
	सिंचाई के साधन	
	फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र	

	सिंचाई की सघनता	
	नलकूप / पम्पसैट	
	बाढ़	
6.	**पशुधन**	17–18
	पशुपालन व डेयरी	
	पशु चिकित्सा सेवाएं	
	पशुधन विकास कार्यक्रम व उनकी उपलब्धी	
	भेड़ व ऊन विस्तार केन्द्र	
	दूध संग्रहण केन्द्र	
	मत्स्य पालन	
7.	**शहरों व गांवो में विद्युत व्यवस्था**	19
	नलकूप व पम्पसैट	
	विभिन्न प्रयोगों में उपयोग की गई विद्युत	
8.	**खनिज वं उद्योग**	19–20
	उद्योग	
	आर्थिक गणना	
9.	**सड़क यातायात एवं संचार सेवा**	20
	पंजीकृत वाहन	
10.	**डाक व तार**	20
11.	**श्रम व रोजगार**	21
	औद्योगिक झगड़े	
12.	**श्रोजगार**	21–22
	रोजगार कार्यालय	
13.	**सहकारी समितियां**	22–23
	प्राथमिक कृषि उधार समितियां	
	समितियां का वर्गीकरण	
	केन्द्रीय सहकारी बैंक	
	प्राथमिक विकास भूमि बैंक	
14.	**बैंक**	23–24
	जमा शाखा अनुपात	
15.	**भाव**	24
	खाद्य पदार्थो के खुद्रा भाव	

16.	**शिक्षा**	25
	विद्यालय एवं महाविद्यालय	
	उच्च/उच्चतर विद्यालय/नवोदय विद्यालय	
	माध्यमिक विद्यालय	
	प्राथमिक विद्यालय	
17.	**चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं**	26
	चिकित्सा सेवाएं	
	परिवार कल्याण कार्यक्रम	
	पीने का पानी	
18.	**कमजोर वर्ग**	26—29
	कमजोर वर्ग हेतू विशेष कार्यक्रम	
	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी	
	हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम	
	हरियाणा महिला एवं कमजोर निगम	
	जिला उद्योग केन्द्र	
	डेयरी विकास योजना	
	सघन पशुधन विकास परियोजना	
	जिला कल्याण कार्यक्रम	
	हरियाणा पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम	
	लाडली	
19.	**विविघ**	29—30
	स्थानीय निकाय	
	जिला राजस्व	
	आवास योजना	
	पुलिस एवं अपराध	
	अग्निश्मन सेवाएं	
	म्नोरंजन	
	विकेन्द्रीयकृत योजना	
20.	**अन्य**	31
21.	**जिला एक नजर में**	32—33

परिशिष्ठ–1

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण , जिला सिरसा ।

सिरसा शहर एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थान हैं । जिले का नामकरण मुख्यालय नगर सिरसा से लिया गया हैं। यह कहा जाता हैं कि यह उत्तरी भारत का पुराना स्थान हैं और इसका पुराना नाम सैरीशाका था जो बाद में बिगड़ कर सिरसा हो गया । स्थानीय स्त्रोतों के अनुसार एक अनजान राजा सारस ने सातवीं शताब्दी में इस नगर की आधारशिला रखी थी ।

सिरसा जिला 1 नवम्बर 1966 से पहले पंजाब राज्य का एक भाग था । वर्ष 1968 से 1975 तक सिरसा तथा डबवाली तहसील जिला हिसार के ही भाग थे । दिनांक 01.09.1975 को हरियाणा सरकार के आदेश दिनांक 26.8.1975 के अनुसार सिरसा को ग्यारहवां पूर्ण जिले का दर्जा दिया गया । 17.10.1989 को इस जिले में ऐलनाबाद को भी तहसील का दर्जा दिया गया तथा 01.11.1989 को रानियां को भी तहसील बना दिया गया । इस समय जिले में 3 उपमण्डल , 4 तहसील , 7 खण्ड़ तथा 325 ग्राम हैं ।

जनगणना 2001 के आंकडो. के अनुसार सिरसा जिले की जनसंख्या 1116649 हैं जो राज्य की कुल जनसंख्या का 5.28 प्रतिशत हैं । हरियाणा राज्य के जिलों मे

जनसंख्या आकार के लिहाज से इसका सातवां तथा भारत के 593 जिलों में इस 387 वां स्थान हैं। 1991 की जनगणना में भी इसका आठवां स्थान था । इस जनगणना में जिले का जनसंख्या का घनत्व 261 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हैं । जो राज्य में सबसे कम हैं। जनसंख्या के घनत्व में सिरसा का देश में 353 वां स्थान हैं । 1991–2001 दशक में जिले की दशकीय वृद्धि 23.59 प्रतिशत हैं । जो राज्य की दशकीय वृद्धि दर 28.43 प्रतिशत से काफी कम हैं । जिले की ग्रामीण जनसंख्या का दशकीय वृद्धि दर 15.56 प्रतिशत हैं । जो कि राज्य की दशकीय व्द्धि दर 21.12 प्रतिशत से काफी कम है। नगरीय जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 53.48 प्रतिशत हैं। जो कि राज्य की दशकीय व्द्धि दर 21.12 प्रतिशत से ज्यादा है। जनगणना 2001 में जिलें की कुल जनसंख्या में 0–6 आयु वर्ग की जनसख्या 15.02 प्रतिशत हैं । जबकि 1991 में यह अनुपात 18.35 प्रतिशत था । इससे स्पष्ट हैं कि इस जिले के लोग छोटे परिवार के महत्व के प्रति जागरूक हैं ।

जनगणना 2001 में साक्षरों की संख्या 574674 हैं। जिले के पुरूष और स्त्री साक्षरता दर में सिरसा जिला 70.05 प्रतिशत पुरूष साक्षरता तथा 49.93 प्रतिशत स्त्री साक्षारता दर के साथ क्रमशः राज्य के 17वें व 15वें स्थान पर हैं । इस जिलें के स्त्री पुरूष अनुपात 1991 के 885 की तुलना में 2001 में 882 हो गया हैं ।

इस जिले का भोगौलिक क्षेत्रफल 4277 वर्ग किलोमीटर हैं। इस जिले में कुल काश्त योग्य भूमि 718000 हैक्टेयर हैं। जिसमें से 664000 हैक्टेयर भूमि सिंचित क्षेत्र में आती हैं । इस जिले में श्रेणी अनुसार आप्रेशनल जोतो की संख्या 113249 हैं तथा औसत जोत की संख्या 3.38 हैक्टेयर हैं। वन के अन्तर्गत केवल 48 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल आता है।

जिला सिरसा के सभी गांवो का विद्युतीकरण हो चुका हैं । इसके अर्न्तगत घरेलू कनैक्शन 176529 हैं तथा 65110 दूसरे कनैक्शन दिए गए हैं। सोलर लाइट के मामले में सिरसा देश का पहला जिला है जहां सभी गांवों में सोलर लाइट स्थापित की जा चुकी हैं।

सभी गांव पक्की सड.को से जुडे. हुए हैं तथा सभी गांवो में पेयजल आपूर्ति उपलब्ध हैं ।

इस जिले में 6 मंडीयां हैं । इन मंडीयों में मुख्य आमदन गेंहू ,जीरी ,कपास व सरसों की हैं ।

वर्ष 2009–2010 में जिला सिरसा में चिकित्सा सेवाएं विभिन्न संस्थाओं जैसे कि राज्य सरकार ,स्थानीय निकाय तथा ऐच्छिक संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती रही हैं । जिलें में 4 सरकारी हस्पताल 146 सब सैन्टर ,11 डिस्पैन्सरिया , 24 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र तथा 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो द्वारा सेवाएं प्रदान की गई हैं । वर्ष 2009–2010 में जिलें में 5 परिवार कल्याण केन्द थे । 2007–08 तक नलबन्दी के 86 व नसबन्दी के 4602 केस किए गए थे। इसके अतिरिक्त इस जिले में 37 आयुर्वेदिक डिस्पैन्सरियां भी कार्यरत हैं ।

वर्ष 2009–10 में इस जिले में 80517 व्यक्तियों को 5769.14 लाख रूपये बुढापा पैन्शन के रूप बांटे गए तथा 28807 विधवाओं को 2481.98 लाख रूपये पैन्शन के रूप में बांटे गए। वर्ष 2009–10 में इस जिले में 9266 लाभर्थियों को 693.19 लाख रूप्ये विकलांग पैंन्शन के रूप में बांटे गये। वर्ष 2009–10 में इस जिले में 1249 लाभर्थियों को 71.23 लाख रूपये लाडली पैंन्शन के रूप में बांटे गये। वर्ष 2009–10 में इस जिले में 1249 लाभार्थियों को 71.23 लाख रुपये लाडली पैंशन के रुप में बांटे गये। वर्ष 2009–10 में इस जिले में 603 प्राथमिक बालवाड़ी सहित, 160 माध्यमिक, 262 उच्च/वरिष्ठ विद्यालय तथा 28 महाविद्यालय कार्यरत हैं ।

वर्ष 2002–03 में इस जिले में चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय खोला गया हैं। इसके अतिरिक्त इस जिले में 59 सरकारी पशु अस्पताल , 172 पशु चिकित्सा डिस्पैंसरियां ,162 डाकघर ,3 तारघर, 75 टेलीफोन केंद्र, 407 सार्वजनिक टेलीफोन घर, 126 अनुसूचित वाणिज्य बैंक , जिलें में एक प्रमुख सहकारी बैंक तथा 40 शाखाएं कार्यरत हैं ।

परिशिष्ठ –2

1. स्थिति तथा भौतिक विशेषताएं : –

स्थिति : – यह जिला हरियाणा राज्य के पश्चिम भाग में स्थित हैं । यह $29^{0}.14^{1}$ व 30^{0} उत्तर और $74^{0}.28^{1}$ एंव $75^{0}.17^{1}$ पूर्व आक्षांश के मध्य में फैला हुआ हैं। जिला हिसार से सिरसा उपमण्डल को 1 सितम्बर ,1975 को अलग करके नया जिला बनाया गया था । उत्तर में इस जिले की सीमा पंजाब राज्य से तथा दक्षिण में पश्चिमी सीमा राजस्थान से लगती हैं। इसके पूर्व में फतेहाबाद जिले की तथा कुछ भाग में पंजाब राज्य की सीमा लगती हैं।

क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा :– इस जिले का क्षेत्रफल 4277 वर्ग किलोमीटर हैं जो राज्य के क्षेत्रफल का 9.67 प्रतिशत है । क्षेत्रफल के अनुसार यह राज्य का दूसरा बड़ा जिला हैं । इसमें सिरसा ,डबवाली , ऐलनाबाद व रानियां चार तहसीलें हैं । सिरसा ,डबवाली व ऐलनाबाद तीन उपमण्डल हैं । यह प्रशाासनिक तथा राज्य की दृष्टि से आत्मनिर्भर हैं । प्रशाासनिक मुख्यालय सिरसा शहर में स्थित हैं । जिला 4 तहसीलों में बंटा हुआ हैं ।

इस जिले में कुल 325 गांव हैं जिनमें से 321 आबाद व 4 बेचिराग गांव हैं । सिरसा तहसील में 169 आबाद व 2 बेचिराग ,रानियां में 50 आबाद व एक बेचिराग गांव है । ऐलनाबाद में 31 आबाद तथा डबवाली में 69 आबाद व एक बेचिराग गांव है ।

इस जिले को सात खण्ड़ों में बांट रखा हैं । सिरसा तहसील में तीन सिरसा , बडागुढ़ा व नाथूसरी चौपटा तथा डबवाली तहसील में दो डबवाली व औढ़ा खण्ड़ पडते हैं। रानियां तहसील में रानियां तथा ऐलनाबाद में ऐलनाबाद खण्ड़ आते हैं।

इस जिले में पांच नगरपालिकाएं हैं । सिरसा व कांलावाली सिरसा तहसील में , डबवाली , डबवाली तहसील में , ऐलनाबाद , ऐलनाबाद तहसील में तथा रानियां , रानियां तहसील में हैं । जिले में कुल 334 ग्राम पंचायतें हैं । जिले में 6 नियमित मण्डियां कार्यरत हैं। इनमें सिरसा , डींग व कांलावाली सिरसा तहसील में , डबवाली , डबवाली तहसील में ,ऐलनाबाद व रानियां तहसील में हैं।

भौतिक विशेषता : – इस जिले में अधिकतर भूमि उपजाऊ व समतल हैं। राजस्थान के साथ लगता कुछ क्षेत्र रेतीला व टिलों वाला हैं । जिले में घग्घर नदी बहती हैं । प्रायः वर्षा ऋतु में पानी रहता हैं जिससे कभी – कभी पानी बढ़ जाता हैं शेष दिनों में पानी कम रहता हैं । वर्षा ऋतु में तो कई बार बाढ़ भी आ जाती हैं । सर्दियों में इसमें कभी –कभी पानी आता है । जिस क्षेत्र में यह नदी बहती हैं वहां की मिट्टी उपजाऊ है व जमीन का पानी मीठा है । विशेषकर रानियां खण्ड़ में इसके दोनों और नलकूप लगे है । बाढ. ग्रस्त क्षेत्र द्वारा बिछाई मिट्टी अधिक उपजाऊ हैं । 1995 में इसमें आई बाढ़ के कारण यहां हजारो एकड़ भूमि में खरीफ की फसल तबाह हो गई थी व 20 गांव प्रभावित हुए थे ।

जलवायु एवं वर्षा : – जिले की जलवायु गर्मियों में अधिक गर्म होती हैं व धूल भरी आंधियां चलती हैं । सर्दियों में सर्दी पड़ती हैं । मई व जून में अधिक गर्मी पड़ती हैं ।

इस समय के दौरान यहां का तापमान 47 डिग्री सैल्सियस तक पंहुच जाता है । दिसम्बर व जनवरी में अत्यधिक सर्दी पड़ती है । वर्षा ऋतु जुलाई से प्रारम्भ होती हैं सितम्बर तक लगभग 75 प्रतिशत वर्षा होती हैं । वर्षा कम व अपर्याप्त होती हैं । औसत वर्षा भिन्न – भिन्न स्थानों में भिन्न – भिन्न होती है । वर्ष 2008 में औसत वार्षिक वर्षा 24.1 सैंटीमीटर हुई जबकि 2007 में 20.9 से. मी. वर्षा हुई थी ।

भूमि : –जिले को भूमि के आघार पर तीन भागों में बांटा जा सकता हैं । पहला घग्गर बाढ़ क्षेत्र ,दूसरा नीचा तथा समतल एवं तीसरा टिब्बे वाला । घग्गर बाढ़ क्षेत्र बडागुढ़ा व सिरसा ब्लाक में पड़ता हैं जो कि घग्गर के साथ –साथ हैं । नीचा क्षेत्र रानियां , डबबाली व ऐलनाबाद , सिरसा व बढागुढ़ा में पड़ता हैं । यहां की भूमि समतल हैं तथा कहीं –2 रेतीली पड़ती हैं । कुछ क्षेत्र में खारापन भी आ गया हैं । यहां की भूमि समतल हैं तथा कहीं–कहीं रेतीली पड़ती हैं जो कि ऐलनाबाद व सिरसा ब्लाक में हैं । इस क्षेत्र की भूमि रेतीली व टिलों वाली हैं ।

जलस्तर : – जमीन के नीचे की सतह का पानी लगभग 30 से 135 फुट हैं । यह प्राय : रानियां व बडागुढ़ा ब्लाक में ऊंचा हैं तथा सिरसा में नीचा पड़ता हैं। इस सारे क्षेत्र की 50 प्रतिशत भूमि में खारा पानी हैं तथा शेष में कुछ मीठा व पीने योग्य जल है ।

2. जनसंख्या

जनसंख्या के आंकडे. : — सन 2001 की जनगणना के अनुसार इस जिले की कुल जनसंख्या 1116649 हैं । जिसमें 593745 पुरूष व 523404 स्त्रियां हैं । 1991 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 903536 थी । वर्ष 1991 से 2001 के दशक में 23.59 प्रतिशत की वृद्वि हुई जबकि राज्य की वृद्वि 28.43 हैं । वृद्वि के कारण जन्म अधिक व मृत्युदर में कमी तथा अन्य राज्यों से मजदुरों आदि का यहां आकर बसना हैं कुल जनसख्या का 55.23 प्रतिशत सिरसा तहसील में 20.88 डबवाली में , रानियां में 13.71 प्रतिशत तथा 10.18 प्रतिशत ऐलनाबाद तहसील में निवास करता हैं ।

जनसंख्या का घनत्व : — इस जिले का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का 9.67 प्रतिशत हैं तथा जिला की जनसख्या का 5.28 प्रतिशत हैं । जिले का जनसंख्या घनत्व 261 प्रति व्यक्ति वर्ग कि. मी. हैं । जबकि राज्य का घनत्व 478 हैं । इस जिले का घनत्व राज्य के शेष जिलों की अपेक्षा कम हैं । ग्रामीण क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व राज्य का मात्र 196 हैं तथा शहरी क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व 2862 हैं । तहसील सिरसा , डबवाली ,रानियां व ऐलनाबाद का क्रमशः 291 ,218 ,232 ,256 हैं ।

ग्रामीण व शहरी जनसंख्या : — कुल जनसंख्या का 73.72 प्रतिशत यानि 823184 व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं । शेष 26.28 प्रतिशत अर्थात 293465 शहरों में रहते हैं। शहरी जनसंख्या का 54.68 प्रतिशत सिरसा शहर में 18.37 प्रतिशत डबवाली में 11.20 प्रतिशत ऐलनाबाद में तथा 8.59 प्रतिशत कांलावाली कस्बे में निवास करते हैं। नगरीय जनसंख्या की दशकीय वृद्वि दर 53.16 प्रतिशत है । जिसका कारण ग्रामीण लोगों

का रोजगार व अन्य आधारभूत सुविघाओं की तालाश में अधिक मात्रा में शहरों की तरफ प्रवास करना हैं ।

जिले की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार : –

तहसील	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या		
	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री
डबवाली	181369	95997	85372	53811	28338	25473
सिरसा	429918	228473	201445	185898	99293	86605
रानियां	131490	70007	61483	20961	11119	9842
ऐलनाबाद	80407	42343	38064	32795	17675	15120

लिंग जाति अनुपात : –इस जिले में 2001 की जनगणना के अनुसार 1000 पुरूषों के मुकाबले स्त्रियों की संख्या 882 हैं । राज्य में यह अनुपात 861 हैं । जिलें के गांवों में यह अनुपात 885 तथा शहरों में 875 हैं ।

0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या एवं लिंगानुपात :–जिले में 2001 जनगणना में 0–6 वर्ग में 92262 पुरूष बच्चें तथा 75415 स्त्री बच्चें हैं । जो जिले की कुल जनसंख्या का 15. 02 प्रतिशत है 1991 में जिले की जनसंख्या में इस जनसंख्या का अनुपात 18.35 था । यह आश्चर्यजनक बात हैं कि 1991 की तुलना में जनगणना 2001 में 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या के प्रति अनुपात में जिलें की सभी तहसीलों /नगरों में गिरावट दर्ज की गई हैं । इससे स्पष्ट होता हैं कि इस जिलें में लोग छोटे परिवार के महत्व के प्रति जागरूक हैं । जिले के सभी नगरों व तहसीलों में स्त्री बच्चों की सख्यां पुरूष बच्चों की संख्या से कम हैं ।

ग्रामीण क्षेत्रों में जिले की कुल जनसंख्या में इस आयु की ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत 18.61 से घटकर 15.25 प्रतिशत हो गया हैं । इसी प्रकार इस अवधि में नगरीय क्षेत्रों में यह 17.38 प्रतिशत से घटकर 13.59 प्रतिशत पर पहुंच गया हैं । 1991 और 2001 की जनगणनाओं में डबवाली नगरपालिका , कांलावाली नगरपालिका , सिरसा नगरपरिषद और ऐलनाबाद नगरपालिका में इस आयु की जनसंख्या का अनुपात घटकर सम्बन्धित कस्बे की कुल जनसंख्या में क्रमश : प्रतिशत से 12.76 प्रतिशत और 19.01 प्रतिशत से घटकर 15.48 प्रतिशत हो गया हैं । 1991 की कुल तुलना में इस आयु की जनसंख्या में अधिकत 16.42 प्रतिशत की गिरावट रानियां तहसील में रजिस्टर की गई । इसके बाद डबवाली (– 9.20 प्रतिशत)और सिरसा (– 4.04 प्रतिशत) तहसीलों का नम्बर आता हैं

साक्षरता :– जनगणना 2001 में जिलें में साक्षरों की संख्या 574624 हैं । जिलें की साक्षरता दर 60.55 प्रतिशत हैं । जिलें में पुरूषों की साक्षरता दर 70.05 प्रतिशत हैं । जबकि महिला साक्षरता दर केवल 49.53 प्रतिशत हैं । साक्षरों में लिंग अनुपात 634 हैं ।

जिले की साक्षरता दर (2001 की जनगणना के अनुसार)

तहसील	कुल	पुरूष	स्त्री
डबवाली	58.76	67.76	48.81
सिरसा	62.23	71.67	51.64
रानियां	58.76	68.76	47.55
ऐलनाबाद	57.46	67.66	46.05
कुल	60.55	70.05	49.03

तालिका :– जिले की साक्षर जनसंख्या (2001 की जनगणना के अनुसार)

तहसील	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या		
	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री
डबवाली	83494	51782	31712	34549	19673	14876
सिरसा	205222	129118	76104	121466	69877	51589
रानियां	64307	40159	24148	11297	6595	4702
ऐलनाबाद	35495	22428	13067	18794	11326	7468

अनुसूचित जाति संख्या :– जिले की अनुसूचित जाति की प्रतिशतता अन्य जिलों की प्रतिशतता से अधिक हैं । इस जिलें की कुल जनसंख्या 26.65 प्रतिशत अनुसूचित जाति की हैं जबकि राज्य में फतेहाबाद को छोडकर अनुसूचित जाति का प्रतिशत इससे कम हैं ।

कामगार :– 2001 की जनगणना के अनुसार जिलें में 475571 कुल कामगार हैं जो कि जिलें की कुल जनसंख्या का 42.59 प्रतिशत हैं । कुल कामगारों में से 37.42 प्रतिशत कृषक , 23.72 प्रतिशत कृषि श्रमिक ll , 2.26 प्रतिशत गृह उद्योगों में तथा 36.46 प्रतिशत अन्य कार्यो में लगे हुए हैं । 1991 की जनगणना में कुल कामगारों की संख्या 278509 थी ।

<u>रिहायशी परिवारों की संख्या</u> : – 1991 की जनगणना के अनुसार इस जिलें में कुल 143592 रिहायशी परिवार थे जबकि जनगणना 2001 में परिवारो की संख्या बढ़ौतरी की प्रवृति के अनुसार यह संख्या बढ़कर 194809 हो गई ।

3. वन

<u>वन क्षेत्र</u> : गांवों की लाल किताब के अनुसार वर्ष 2009–10 में 48 वर्ग कि. मी .वन थे । गत वर्ष भी 48 वर्ग कि.मी वन थे । कुल भौगोलिक क्षेत्रफल से वन के क्षेत्रफल की प्रतिशतता 1.12 प्रतिशत हैं । कुल वनीय क्षेत्र का 50.1 प्रतिशत भाग तहसील सिरसा में पड़ता हैं । 24.7 प्रतिशत भाग डबवाली में 14.7 प्रतिशत रानियां में ,10.45 प्रतिशत भाग ऐलनाबाद में पड़ता हैं । बढते रेगिस्तान को रोकने के लिऐ केन्द्र सरकार द्वारा 1978 – 79 में मरूभूमि में विकास का कार्यक्रम चलाया गया । इस जिलें में प्रति लाख व्यक्ति पर वनो का क्षेत्रफल 4.30 वर्ग कि. मी. है ।

4. कृषि

<u>प्रयोग की गई भूमि का विवरण</u> :– गांवो की लाल किताब के अनुसार वर्ष 2009–10 में जिलें का भौगोलिक क्षेत्र 4277 वर्ग कि. मी. हैं । इसमें वन ,2.0 हजार हैक्टेयर तथा कृषि के लिए उपलब्ध भूमि 404.5 हजार हैक्टेयर हैं । बोया गया निविल क्षेत्र 2006–07 में 400.2 हजार हैक्टेयर हैं ।

<u>जोतें</u> :– वर्ष 2000–01 (अंतिम आंकडे) के अनुसार जिलें में आप्रेशनल जोतों की संख्या 113249 थी । जिसमें से 2 हैक्टेयर तक की जोंतों की संख्या 54379 थी, , 2

से 5 हैक्टेयर तक 37233 व 5 से 10 हैक्टेयर तक 15377 व 10 हैक्टेयर से 20 हैक्टेयर तक 4937 व 20 हैक्टेयर से ऊपर 1323 जोतें थी । जिलें में जोत का औसत आकार 3.38 हैं ।

<u>फसलों की पद्वति एवं फसल तीव्रता</u> :— जिलें की रबी फसलों में गेंहू , चना , सरसों , तोरियां व तारामीरा हैं तथा खरीफ की मुख्य फसलें कपास ,नरमा ,धान व बाजरा हैं । वर्ष 2008—09 में सभी खाद्यान्नों फसलों के अधीन क्षेत्र में चावल 57.5 हजार हैक्टेयर ,4.9 हजार हैक्टेयर में बाजरा , 279.1 हजार हैक्टेयर में गेहूं ,11.8 हजार हैक्टेयर में जौ बोया गया ।

<u>वाणिज्य फसलें (2008—09)</u> :— इसमें अमेरिकन व देशी कपास , तोरियां ,तारामीरा एवं सरसों का क्षेत्रफल कुल जिले में बोये गये क्षेत्रफल का क्रमशः 42.6 व 10.9 प्रतिशत थी ।

<u>मुख्य फसलों का उत्पादन</u> :— इस जिलें में वर्षा अपर्याप्त होने के परिणामस्वरूप भी भूमि उपजाऊ होने के कारण फसलें अच्छी हो जाती हैं । गेहूं का उत्पादन 2008—09 में 1394 हजार टन हो गया जबकि 2007—08 में 1196 हजार टन था । चना का उत्पादन 2007—08 में 6.0 हजार टन से बढ़कर 2008—09 में 8.7 हजार टन हो गया । धान का उत्पादन 2007—08 में 189.0 हजार टन था जो कि बढ़कर 2008—09 में धान का उत्पादन 196.0 हजार टन हुआ । बाजरे का उत्पादन 2007—08 में 12.0 हजार टन था जो कि 2008—09 में घटकर 10.0 हजार टन हो गया । देशी कपास का उत्पादन 2008—09 में 45.0 हजार टन गांठ**(**गांठ= 170 kg) हुआ ।

तालिका :– मुख्य फसलों की औसत उपज किलोग्राम प्रति हैक्टेयर 2008–09

फसल	:	किलोग्राम
चावल	:	3437
गेहूं	:	4996
तोरियां,/तारामीरा/सरसों	:	1658
चना	:	1040

प्रति हैक्टेयर औसत उपज :– गेंहू का प्रति हैक्टेयर औसत उपज 2008–09 में 4996 कि. ग्रा. प्रति हैक्टेयर था । जबकि वर्ष 2007–08 में 4255 कि. ग्रा. था । चने का औसत उत्पादन 2007–08 में 720 कि. ग्रा. था जबकि 2008–09 में 1040 कि. ग्रा. प्रति हैक्टेयर हो गया । बाजरे का औसत उत्पादन 2007–08 में 1921 कि. ग्रा. प्रति हैक्टेयर था जबकि 2008–09 में 2029 कि. ग्रा. प्रति हैक्टेयर हो गया । अधिक उपज (H.Y.V) बीज वाली गेहूं का क्षेत्र 2008–09 में 272.0 हजार हैक्टेयर है जबकि 2007–08 में 280.6 हजार हैक्टेयर था।

बागवानी एवं सब्जियां :– इस जिले में फलों एवं सब्जियों के अधीन क्षेत्र बहुत ही कम हैं । बागवानी विभाग की रिर्पोट के अनुसार वर्ष 2009–10 में फलों एवं सब्जियों के अधीन क्षेत्र क्रमशः 7534 हैक्टेयर व 7575 हैक्टेयर था तथा फलों एवं सब्जियों का उत्पादन क्रमशः 91709 मीट्रिक टन तथा 99359 मीट्रिक टन था। जिला सिरसा, जहां गेहूं और कपास के उत्पादन में देशभर में अपनी पहचान बना चुका है, वही बागवानी के क्षेत्र में विशेष रुप से किन्नू उत्पादन में प्रदेश का अग्रणी जिला बन गया है। सिरसा के गांव

अबूबशहर में सरकार के प्रयासों से 100 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्ष्मता का ग्रेडिंग, वैक्सिंग व पैकिंग प्लांट स्थापित किया गया है। इसी के फलस्वरुप जिला के गांव मांगेआना में वर्ष 2009—10 में 9 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से इंडो इजरायली प्रोजेक्ट आरंभ किया गया है।

खाद एवं वितरण :— भूमि में उर्वरकों पोषक तत्वों को पूरा करने के लिए कृत्रिम खाद का प्रयोग 2009—10 में 138014 टन था । जबकि 2008—09 में 130957 टन था । वर्ष 2009—10 में 96214 टन नाईट्रोजन , 33415 टन फॉसफोरस , 8385 टन पोटास का प्रयोग किया गया था।

पौधा संरक्षण :— वर्ष 2009—10 में 372 टन कीटनाशक दवाओं का प्रयोग किया गया । जबकि गत वर्ष 380 टन कीटनाशक दवाओं का प्रयोग किया गया ।

कृषि उपज का संग्रहण एवं वितरण :— इस जिलें में 31 मार्च 2010 में 6 कृषि अनाज मंड़ियां व 18 सब वार्डो में कृषि उपज की खरीद संबंधी सुविधाओं की व्यवस्था उपलब्ध थी । 6 नियमित मंड़ियों में किसानों के लिए विश्राम गृह की सुविधा हैं व यहां पर किसानो के ठहरने की तथा पीने योग्य पानी का अच्छा प्रबन्ध हैं । यहां पर पशुओं के लिए भी शैड आदि की व्यवस्था हैं । सभी मण्ड़ियों में उपज संग्रहण का उचित प्रबन्ध हैं ।

कृषि उत्पाद की आमद :— वर्ष 2009—10 में गेहूं की आवक 965 हजार टन थी जो वर्ष 2008—09 में 787 हजार टन थी । चने की आवक वर्ष 2009—10 में 3700 टन हैं । धान की आवक 2009—10 में 290.4 हजार टन थी । जबकि 2008—09 में 279.5.0 हजार टन थीं । तोरियां , तारामीरा व सरसों की आवक वर्ष 2008—09 में 8700 तथा 2009—10 में 12300 टन ही रही । कपास की आवक वर्ष 2008—09 में 171600 टन से घटकर 2009—10 134700 टन हो गई ।

<u>संग्रहण क्षमता</u> :– जिले में वर्ष 2009–10 में सरकारी गोदामों की संग्रहण क्षमता 754 हजार टन तथा जिले में ठण्ड़े गोदामों की संख्या 4 हैं जिनकी क्षमता 2 हजार टन की हैं ।

<u>भूमि विकास योजनाएं</u> :– वर्ष 2009–10 में जिले में डीजल सैट/बिजली के सैट व ट्रैक्टरों की संख्या क्रमशः 56651 व 25613 थी ।

सिंचाई

<u>सिंचाई के साधन</u> :– जिले में सिंचाई के मुख्य साधन नहरें हैं । निविल सिंचित क्षेत्र वर्ष 2008–09 में 347 हजार हैक्टेयर था । कुल सिंचित क्षेत्र का 69.95 प्रतिशत नहरों द्वारा शेष 30.05 प्रतिशत पम्पसैटों/नलकूपों द्वारा सींचा गया । अधिकतर सिंचित क्षेत्र सिरसा तहसील में पड़ता हैं । वर्ष 2008–09 में 238 हजार हैक्टेयर निविल क्षेत्र सिंचाई नहरों द्वारा व 109 हजार हैक्टेयर निविल क्षेत्र की सिंचाई टयूबैलों द्वारा की गई हैं । वर्ष 2008–09 में सिंचित क्षेत्र 664 हजार हैक्टेयर हैं । कुल सिंचित क्षेत्र की कुल काश्त अधीन क्षेत्र से प्रतिशतता 92.5 हैं ।

फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र तालिका वर्ष 2008–09

चावल	(000 हैक्टेयर में)	:	57
बाजरा	(000 हैक्टेयर में)	:	3
गेंहूं	(000 हैक्टेयर में)	:	279
कपास	(000 हैक्टेयर में)	:	172

<u>सिंचाई की सघनता</u> :– वर्ष 2008–09 में कुल सिंचित क्षेत्र 664000 हैक्टेयर था । कुल सिंचित क्षेत्र की कुल काश्त अधीन क्षेत्र से प्रतिशत 92.5 प्रतिशत हैं ।

<u>नलकूप / पम्पसैट</u> :– जिलें में भूमि के नीचे का पानी सिंचित क्षेत्र में ही अच्छा हैं । इसलिए नलकूप सिचित क्षेत्र में ही कामयाब हैं । वर्ष 2009–10 में नलकूप / पम्पसैट की संख्या 56651 हैं । जबकि गत वर्ष यह संख्या 52745 थी ।

<u>बाढ़</u> :– घग्घर नदी इस जिलें में से होकर आगे राजस्थान में जाती हैं । इसमें वर्षा ऋतु में पानी आता हैं । ओटू के स्थान पर इस नदी में बांध बनाकर इसका पानी नहरों में डालकर सिंचाई के काम में लाया जाता हैं । वर्ष 1994–95 में इसमें अधिक पानी आ जाने के कारण बाढ़ आ गई थी । जिसके कारण शहर का निचला क्षेत्र व कई गांव बाढ़ से प्रभावित हो गए थे । वर्ष 1995–96 में 20 गांवों की फसलें बाढ़ से नष्ट हो गई थी । जबकि 1995–96 के बाद से यहां कोई बाढ़ नही आई ।

6. <u>पशुधन</u> :– वर्ष 2007 की पशुगणना के अनुसार जिलें में 701672 पशु थे जबकि 2003 की जनगणना के अनुसार 676100 थे । 2007 की जनगणना के अनुसार गायें 190912 , भैंसे 323801 , भेड़े 87049 ,धोड़े व टट्टू 1478 , ऊँट 111300 ,गघे व खच्चर 1138 , सूअर 750 थे । पशुओं की प्रति वर्ग कि. मी. संख्या 164 थी । जबकि राज्य में यह 205 थी ।

<u>पशुपालन व डेयरी</u> :– पशुपालन विभाग के अनुसार जिलें के 2 मान्यताप्राप्त बुचड़खानों में 2009–10 में 91000 पशु काटे गये । गत वर्ष 24000 पशु काटे गये थे।

<u>पशु चिकित्सा सेवाएं</u> :– वर्ष 2009–10 में जिले में 59 सरकारी पशु चिकित्सा अस्पताल , 172 सरकारी पशु चिकित्सा डिस्पैन्सरी कार्य कर रहे हैं । वर्ष 2009–10 में 496 हजार पशुओं का उपचार किया गया । जबकि गत वर्ष 215 हजार पशुओं का उपचार किया गया । वर्ष 2009–10 में 1235 हजार पशुओं को रोग निवारण टीके

लगवाये गये। जबकि गत वर्ष 1560 हजार पशुओं को रोग निवारण टीके लगवाये गये थे ।

पशुधन विकास कार्यक्रम व उनकी उपलब्धी :– इस जिले में एक मघ्यम आकार की सघन पशुधन विकास परियोजना कार्य कर रही हैं। इसका मुख्य उद्‌देश्य आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके जैसे कृत्रिम गर्भाधान , मिश्रित प्रजनन , बीज चिकित्सा सेवाएं एवं चारा उत्पादन द्वारा पशुओं की नस्ल के सांड़ों का विशेष प्रबन्ध हैं। केन्द्रीय प्रजनन वीर्य केन्द्र बैंक द्वारा पशु चिकित्साल्यों एवं पशुधन केन्द्रों को गायों एवं भैंसों के प्रजनन के लिए वीर्य पहुंचाया जाता हैं। चारा एवं बीज विकास कार्यों के तहत सरकारी समितियां बनाई व अच्छे पशुओं की खरीद के लिए ऋण सुविधाएं भी पलब्ध करवाई जाती हैं। वर्ष 2009–10 के अनुसार 87 हजार भैंसों व 71 हजार गायों को कृत्रिम गर्भाधान किया गया हैं। जबकि गत वर्ष 2007–08 में 85 हजार भैसों व 61 हजार गायों को गर्भाधान किया गया।

दूध संग्रहण केन्द्र :– वर्ष 2009–10 में एक दूध सयंत्र कार्य कर रहा हैं । जिसकी क्षमता 100000 लीटर प्रतिदिन हैं । 6 दुग्ध संग्रहण केंन्द्रों की क्षमता 25000 हजार प्रतिदिन हैं। वर्ष 2009–10 में 548.58 लाख लीटर दूध का संग्रहण किया गया ।

मत्स्य पालन :–– इस जिले मे मछलीयो का सम्भूत क्षेत्र 2008–09 में 933 हैक्टेयर था । जबकि 2009–10 में यह क्षेत्र घटकर 860 हैक्टेयर हो गया । मछली पकड़ने के लिए वर्ष 2009–10 तक 170 लाईसैन्स जारी किये गए । मछली पालन से वर्ष 2009–10 में 195736 हजार रूपये की प्राप्ति हुई । वर्ष 2009–10 में 4893 टन मछलियों का उत्पादन हुआ। जबकि गत वर्ष 4540 टन मछलियों का उत्पादन हुआ था। मछली पालन को बढ़ाने के लिए मत्स्य किसान विकास एजेन्सी व मत्स्य कार्यालय द्वारा कार्य किया जा रहा हैं।

7. शहरों व गांवों में विद्युत व्यवस्था

जिलें के सभी गांवों व शहरों में बिजली की व्यवस्था हैं ।

<u>नलकूप व पम्प सैट</u> :– विद्युतीकरण नलकूपों की संख्या वर्ष 2008–09 में 33045 से बढ़कर 2009–10 में 40210 हो गई हैं इस प्रकार इसमें 21.7 प्रतिशत की वृ,द्वि हुई ।

<u>विभिन्न प्रयोगों में उपयोग की गई विद्युत</u> :– वर्ष 2009–10 में विभिन्न प्रयोजनों में 10608.03 लाख किलोवाट विद्युत प्रयोग की गई। वर्ष 2008–09 में कुल विद्युत का 66.37 प्रतिशत कृषि पर, 6.75 उद्योगों पर , 16.95 घरेलू प्रयोगों पर , 4.67 वाणिज्य पर , 0.31 अन्य कार्यो पर खर्च की गई । जिलें में वर्ष 2008–09 में 225252 विद्युत कनैक्शन थे । जबकि 2009–10 में बढ़कर 241639 हो गए । इसमें वर्ष 2007–08 में कुल कनैक्शन का 73.05 प्रतिशत घरेलू 14.99 कृषि , 10.26 वाणिज्य क्षेत्र पर ,1.36 औद्योगिक क्षेत्र पर तथा 0.31 प्रतिशत अन्य कार्यो से सम्बन्धित थे ।

8. <u>खनिज एवं उद्योग</u>

जिलें में खनिज पदार्थो की उपलब्धी तो नगन्य हैं ।

<u>उद्योग</u> :– भारतीय कारखाना अधिनियम 85 के तहत पंजीकृत फैक्ट्रीयों की संख्या वर्ष 2009 में 123 हैं। इसमें से धारा 2 एम(1) के अधीन 92 तथा विद्युत शक्ति के साथ 31 पंजीकृत फैक्ट्रीयां हैं । रजिस्ट्रड कार्यकारी फैक्ट्रीयों की संख्या 2009 में 123 हैं । फैक्ट्रीयों में नियुक्त वर्करों की संख्या 2009 में 6857 हैं ।

यह जिला उद्योगों की दृष्टि से पिछड़ा हैं । यहां पर 4 बड़े व मघ्यम स्तर की इकाईयां हैं । शुद्व तेल , कागज बनाने , दूध ठण्ड़ा करने के केन्द्र हैं । 2009–10 में 8506 मि. टन कागज , 1670 लाख रूपये के कृषि औजार बनाए। इसके अतिरिक्त 504, 525 हजार गांठें रूई पेली गई ।

<u>**आर्थिक गणना**</u> :– अप्रैल 2005 की आर्थिक गणना के अनुसार कृषि से सम्बन्धित ईकाइयो व गैर कृषि ईकाईयों को सम्मिलित किया गया हैं । कृषि उत्पादन तथा पौधरोपण से सम्बन्धित ईकाइयों को इसमें शामिल नही किया गया । गणना के अनुसार जिलें में कुल 44399 इकाइयों में 103403 व्यक्ति लगे हुए थे । इनमें 52063 (50.35) प्रतिशत भाड़े/वेतन भोगी कर्मचारी थे ।

9. सड़क यातायात एवं संचार सेवा

वर्ष 2009–10 में इस जिलें में सड़कों की कुल लम्बाई 2249 कि. मी. थी । जिसमें 2160 कि. मी. पक्की तथा 7 कि. मी. कच्ची सड़के थी । जिलें के सभी गांव पक्की सड़को से जुड़े हुए हैं । पक्की सड़को से जुड़े गांवो की प्रतिशतता 100 प्रतिशत हैं ।

<u>**पंजीकृत वाहन**</u> :– वर्ष 2009–10 में जिलें में विभिन्न प्रकार के 17606 वाहन पंजीकृत किए गए । इन वाहनों में 75.20 प्रतिशत स्कूटर, मोटरसाईकल व ऑटो , 11.22 प्रतिशत ट्रैक्टर , ट्रक , टैक्सियां , बसे , आटो रिक्शा व विविध , 11.78 प्रतिशत कार एवं 1.79 प्रतिशत जींपें थी ।

10 डाक व तार

जिलें में वर्ष 2009–10 में 162 डाकघर थे व 3 डाकतार थे। एक लाख जनसंख्या पर डाकघरों की संख्या 15 हैं ।

दूरभाष केन्द्र :– वर्ष 2009–10 में दूरभाष केन्द्रों की संख्या 75 थी तथा टेलीग्राम केन्द्रों की संख्या 3 हैं । सार्वजनिक टेलीफोन 407 हैं ।

11. श्रम एंव रोजगार :–

औद्योगिक झगड़े :–वर्ष 2009 में 11 झगड़े हुए । जबकि 2008 में 38 झगड़े हुए । 2009 में तालाबन्दी व हड़तालों की संख्या शून्य रही । वर्ष 2008 में तालाबन्दी व हड़तालों की संख्या भी शून्य थी । पंजीकृत संघों की कुल संख्या 2009 में 33 रही व गत वर्ष भी इनकी संख्या 33 थी ।

12. रोजगार

जिलें में 31 मार्च 2010 को 16155 कर्मचारी संगठित क्षेत्र में नियुक्त थे । इनमें 140 केन्द्रीय सरकार , 10773 राज्य सरकार , 916 अर्ध सरकारी (केन्द्रीय) , 1786 अर्ध सरकारी (राज्य) , 568 स्थानीय निकाय , 1235 निजि क्षेत्र में कार्यरत थे । गत वर्ष 15770 कर्मचारी कार्यरत थे ।

जिला सिरसा में हरियाणा सरकार के कर्मचारी 31. 12 2009

वर्ग	कुल पुरूष	कुल स्त्री	अनुसूचित जाति		पिछड़ा वर्ग	
			पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री
वर्ग 1	123	7	13	0	10	**0**
वर्ग 2	870	275	77	16	95	**18**
वर्ग 3	10269	2378	1320	196	1482	**228**
वर्ग 4	3871	486	862	128	501	**47**
फुटकर	935	2246	88	850	55	**359**
कुल	**16068**	**5392**	**2360**	**1190**	**2143**	**652**

<u>रोजगार कार्यालय</u> :— इस जिले में सिरसा में जिला रोजगार कार्यालय तथा डबवाली में नगर रोजगार कार्यालय तथा ऐलनाबाद में ग्रामीण रोजगार कार्यालय हैं । 31.12.2010 तक जिले के सभी रोजगार कार्यालयों के संजीव रजिस्टरों में 35964 बेरोजगार प्रार्थीयों के नाम दर्ज थे । 31.12.2010 में अ. जाति के 6248 प्रार्थी थे । 31 मार्च 2010 को प्रार्थीयों की संजीव रजिस्टर पर संख्या दसवीं पास 8077 ,बारहवी पास 7921, स्नातक 4197 , स्नातकोतर 1218 थी । 31 मार्च 2010 तक 0 नियुक्तियां भरी गई । अ. जाति के प्राथियों की संख्या 6248 थी ।

जिले में 4 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हैं । इस जिले में 3 राजकीय बहुतकनीकी संस्थान हैं । दो संस्थान पुरूषों के लिए व एक संस्थान महिलाओं के लिए हैं । इनमें सिविल , मैकेनिक , इलैक्ट्रीक व कृषि में तीन वर्षीया डिप्लोमा की सुविधा उपलब्ध हैं । जिले में ड़िंग में एक अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्र हैं ।

13. <u>सहकारी समितियां</u> :——

वर्ष 2009—10 में इनकी संख्या 1903 रही । इनकी कुल सदस्य संख्या 195871 थी । प्राथमिक कृषि उधार समितियां :— जिलें में 2009—10 में इनकी संख्या 36 थी । इनकी सदस्यता 2009—10 में 156 हजार हैं । वर्ष 2009—10 में किसानों को 25104.23 लाख रूपये कर्जा दिया गया । जबकि गत वर्ष यह कर्जा 22646.86 लाख रूपये था । वर्ष 2009—10 में 25268.45 लाख रूपये ऋण वसूल किया गया था। अवघिपूर्ण बकाया राशि 2008—09 तथा 2009—10 में क्रमशः 11443.80 तथा 14358.13 लाख रूपये थी ।

<u>समितियों का वर्गीकरण</u> :– इस समितियों में एक केन्द्रीय सहकारी बैंक , 36 कृषि ऋण , 95 गैर कृषि ऋण ,एक प्राथमिक भूमि विकास बैंक ,6 विपणन 528 दुग्धपूर्ति ,37 बुनकर समितियां , 3 उपभोक्ता समितियां , 47 आवास समितियां 7 खेती समितिया ,तथा 1142 अन्य समितियां थी । सभी समितियों के सदस्यता की संख्या 195871 हैं ।

<u>केन्द्रीय सहकारी बैंक</u> :– जिले में वर्ष 2009–10 में एक केंद्रीय सहकारी बैंक हैं तथा इसकी 41 शाखाएं थी। इन बैंको द्धारा वर्ष 2009–10 के दौरान 22183 लाख रूपये का ऋण विभिन्न सहकारी संस्थाओं को उपलब्ध करवाया गया । वर्ष के अन्त तक 25927.00 लाख रूपये का कर्जा बकाया था तथा अवधिपूर्ण ऋण 9607.00 रूपये था ।

<u>प्राथमिक विकास भूमि बैंक</u> :– जिलें में 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक द्धारा विभिन्न भूमि कार्यक्रमों के लिए 2009–10 में 3235.52 लाख रूपये का ऋण किसानों को दिया गया । वर्ष के दौरान 3040.80 लाख रूपये वसूल किये गये तथा 3008.22 लाख रूपये अवधिपूर्ण रहा। गत वर्ष 3577.42 लाख रूपये का ऋण दिया गया तथा वर्ष के दौरान 2479.74 लाख रूपये वसूल किये गये तथा 1295.26 लाख अवधिपूर्ण रहे । वर्ष 2009–10 के दौरान 0.43 लाख सदस्यता रही ।

14. <u>बैंक</u>

2009–10 में जिले में 167 बैंक/बैंक शाखाएं थी । जिनमें 103 अनुसूचित वाणिज्य बैंक ,40 सहकारी बैंक तथा 24 अन्य बैंक शाखाएं शामिल हैं । इनमें से लगभग 52.70 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में तथा 47.30 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में हैं । इस वर्ष जिले में 103 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं । मार्च , 2009 में अनुसूचित वाणिज्यक बैंकों में कुल धन राशि 1789 करोड. रूपये हैं । जबकि मार्च 2009 में प्रति व्यक्ति जमा धन राशि 1602 रूपये हैं।

जिला सिरसा में अनुसूचित वाणिज्यक बैंकों में 31 मार्च 2009 जमा तथा ऋण

शाखाओं की संख्या	:	103
जमा (करोड़ों में)	:	1789
ऋण (करोड़ों में)	:	1498
ऋण जमा अनुपात प्रतिशत में	:	
मार्च 2008	:	87.16
मार्च 2009	:	83.73

<u>**जमा शाख अनुपात**</u> :– 31 मार्च 2009 को जिले में स्थित 103 अनुसूचित वाणिज्य बैंको में 1789 करोड़ रूपये जमा थे तथा 1498 करोड़ रूपये का ऋण था । ऋण जमा अनुपात 87.73 प्रतिशत रहा ।

15. भाव

<u>**थोक भाव**</u> :– जिले में वर्ष 2009–10 में अनाज की मुख्य फसलों गेंहू व धान की फसल के थोक भाव क्रमशः 1100.00 रूपये तथा 1390.00 रूपये प्रति क्विंटल थी। सरसों 2098.00 तथा जौ 857.00 रूपये प्रति क्विंटल रही ।

<u>**खाद्य पदार्थो के खुदरा भाव**</u> :– जिले में वर्ष 2009–10 में गेंहू 13.00 रूपये , चावल 20.00 रूपये , चना 34.00 रूपये , मूंग की दाल 64 रूपये , चीनी 23 रूपये प्रति किलोग्राम , सरसों का तेल 70.00 रूपये तथा वनस्पति घी 75.00 रूपये प्रति लीटर था ।

अखाद्य पदार्थो में साबुन 40.00 रूपये प्रति कि. ग्राम , लक्स 17.00 रूपये प्रति टिक्की, ,बाटा के जूते 699.00 रूपये प्रति जोडी. , बर्तन 200.00 रूपये प्रति कि. ग्राम रहा ।

16. शिक्षा

महाविद्यालय एवं अन्य विद्यालय :– जिले में 28 महाविद्यालयों जिनमें 4 सरकार द्वारा संचालित तथा अन्य 4 महाविद्यालय सरकार द्वारा सहायता प्राप्त हैं तथा 20 गैर सहायता प्राप्त हैं। जिले में 28 महाविद्यालयों में वर्ष 2009–10 में कुल 6584 छात्र शिक्षा पा रहे थे । सभी महाविद्यालय चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय से सम्बन्धित हैं ।

उच्च/उच्चतर विद्यालय/नवोदय विद्यालय :– वर्ष 2007–08 में 262 मान्यताप्राप्त उच्च /उच्चतर विद्यालयों 140678 विद्यार्थी शिक्षा पा रहे थे । गत वर्ष 262 विद्यालयों में 89120 विद्यार्थी थे। जिला के गांव ओढ़ा में एक जवाहर नवोदय विद्यालय है।

माध्यमिक विद्यालय :– वर्ष 2007–08 में 160 माध्यमिक विद्यालयों में 14539 विद्यार्थी शिक्षा पा रहे थे। जबकि गत वर्ष 155 विद्यालयों में विद्यार्थी की संख्या 15627 विद्यार्थी थे।

पूर्व प्राथमिक बालवाडी सहित विद्यालय :– वर्ष 2007–08 में 603 प्राथमिक विद्यालयों में 100994 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे थे । जबकि गत वर्ष छात्र संख्या 113463 तथा स्कूलों की संख्या 270 थी । मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या वर्ष 2007–08 :–

	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं
प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक	100994	50302	50692	14374	7247	7127
माध्यमिक	14539	7781	6758	4371	2206	2165
उच्च/वरिष्ठ	140678	74003	66675	45736	24451	21285
कुल जोड.	**256211**	**132086**	**124125**	**64481**	**33904**	**30577**

17. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं :–

चिकित्सा सेवाएं :– विभिन्न उपकरणों द्वारा राज्य सरकार , स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र / समाज सेवा संस्थाएं और निजि अस्पतालों द्वारा लोगों को चिकित्सा प्रदान की जाती हैं । वर्ष 2009–10 में इस जिलें में 4 सरकारी अस्पताल , 2 ग्रामीण क्षेत्र के , 24 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र , 11 औषधालय , 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 146 उपकेन्द्रों द्वारा चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाई गई । जिलें में 37 आर्युैदिक अस्पताल हैं ।

31 दिसम्बर 2010 के अनुसार 307955 रोगियों का उपचार वर्ष के दौरान किया गया जबकि गत वर्ष 328920 रोगियों का ईलाज किया गया । वर्ष 2009–10 में विभिन्न अस्पतालों में 368 बिस्तर उपलब्ध थे । सिरसा में प्रति लाख आबादी के पीछे 28 रोगी बिस्तर हैं ।

परिवार कल्याण कार्यक्रम :– जिले में 5 परिवार कल्याण केन्द्रों में वर्ष 2009–10 में 86 नलबन्दी व 4602 नसबंदी आपरेशन किए गये । गत वर्ष यह संख्या 105 थी । वर्ष 2009–10 में आई. यू. डी. का प्रयोग 8514 था । जबकि वर्ष 2008–09 में 8259 लूप लगाए गये । सिरसा में प्रति लाख जनसंख्या पर एक परिवार कल्याण केन्द्र हैं ।

पीने का पानी :– वर्ष 2009–10 में सभी 325 गांवो में जल वितरण सुविधाएं उपलब्ध हैं ।

18. कमजोर वर्ग

कमजोर वर्ग हेतू विशेष कार्यक्रम :– हरिजन ,पिछड़ा वर्ग आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गो के लोगों के उत्थान के लिए सरकार द्वारा पूरे प्रयास किये जा रहे हैं । जिनके अर्न्तगत निम्न कार्यक्रम डी . आर . डी . ए. द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा हैं :–

1. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी याजना(**MGNREGA**)
2. स्वर्ण जयन्ती ग्रामीण स्वरोजगार योजना कार्यक्रम(**SJGSRY**)
3. स्वर्ण जयन्ती शहरी स्वरोजगार योजना कार्यक्रम(**SJSSRY**)
4. इन्द्रिा आवास योजना(**IAY**)
5. सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान(**TSC**)
6. सर्व शिक्षा अभियान(**SSA**)

7. सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास याजना(**MPLADS**)
8. पिछड़ा क्षेत्रअनुदान योजना(**BRGF**)
9. अल्प संख्यक विकास योजना(**MSDP**)
10. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना(**RSBY**)
11. राष्ट्रीय ग्रमीण स्वास्थ्य मिशन(**NRHM**)
12. समन्वित जल संग्रहण प्रबन्ध कार्यक्रम (**IWMP**)
13. समन्वित ग्रमीण उर्जा कार्यक्रम (**IREP**)
14. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (**PMGSY**)
15. राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (**RMSA**)
16. अन्तोदय अन्य योजना(**AAY**)
17. समेकित बाल विकास योजनाएं(**ICDS**)
18. राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन(**NRWM**)
19. कस्तुरवा गांधी बालिका विद्यालय (**KGBY**)
20. जिला विकास योजना(**DDP**)
21. मिड–डे–मील(**MDM**)

क. जिला ग्रामीण विकास एजेन्सी

गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले 1198परिवारों के स्वयं समूहों को वर्ष 2009–10 में विभिन्न आय अर्जित स्कीमों जैसे भैंस पालन , मछलाी पालन , मूर्गी पालन , सूअर पालन , नलकूप , डीजल ईजन , जूते बनाना , हैण्डलूम , बढ़ईगिरि , आटा चक्की , टैंट हाऊस , किरयाणा स्टोर , ट्रैक्टर ट्राली , सब्जी व फूलों की खेती , महिलाओ के क्लीन पैंड , दरी बनाना , साईकिल रिपेयरिग आदि के लिए बैंकों से लोन की सुविधा प्रदान की गई हैं । इन परिवारों को 473.68 लाख रु का कर्जा दिया, इसमें से 120.68 लाख रु का अनुदान शामिल है। इस एजेन्सी द्वारा सामूहिक लोन पर 1.25 लाख रु तक का अनुदान दिया जाता है।

ख. हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम :–

वर्ष 2009–10 के दौरान 832 हरिजन परिवारों को विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता आसान किश्तों पर प्रदान की गई । 54.32 लाख रूपये की अनुदान राशि एवं 3.68 लाख रूपये की मार्जिन मनी के तौर पर उपलब्ध कराई गई।

ग. जिला उद्योग केन्द्र :–

वर्ष 2009–10 में 405 हरिजन परिवारों को लघु उद्योग ईकाईयां स्थापित करने के लिए आर्थिक /वित्तिय सहायता प्रदान की गई ।

घ. जिला डेयरी विकास :––

जिला डेयरी विकास परियोजना के तहत वर्ष 2009–10 में 73 परिवारो को आर्थिक सहायता प्रदान की गई हैं ।

ड. सघन पशुधन विकास परियोजना :–

सघन पशुधन विकास परियोजना के तहत वर्ष 2009–10 में 28 हरिजन परिवारो को भेड़े खरीदने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई हैं ।

च. जिला कल्याण कार्यक्रम :–

1 अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही मकान अनुदान एवं अनुसूचित जाति एवं विमुक्त जाति के लोगों के लिए चलाई जा रही हैं । इस स्कीम के तहत मकान अनुदान अनुसूचित जाति के लोगों के लिए चलाई जा रही हैं । इस स्कीम के तहत वर्ष 2009–10 मकान अनुदान अनुसूचित जाति के 384 व्यक्तियों को 50000/– रूपये के हिसाब से 192.00 लाख रूपये तथा विमुक्त जाति के लोगों के लिए के 166 व्यक्तियों को 50000/– रूपये के हिसाब से 83.00 लाख रूपये अनुदान के रूप में वितरित किये गये हैं । प्राथी का नाम BPL की सूचि में

दर्ज हो तथा कच्चा मकान हो ।

2. इन्दिरा गांधी प्रिय दर्शनी शगुन योजना के तहत इस जिलें में 1586 व्यक्तियों को 19999400/– रूपये स्वीकृत किये गये । जिसमें से 986 अनुसूचित जातियो के व्यक्तियो को 213 औरतों के लिए तथा 387 अन्य वर्ग की औरतों के लिए अनुदान स्वीकृत करके बांटा गया हैं । सिलाई प्रशिक्षण स्कीम के तहत 75 अनुसूचित जाति की लड़कियों को वजीफे के रूप में वितरित किये गये ।

छ. हरियाणा पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम द्वारा वर्ष 2009–10 में 34 लाभार्थियों को 17.00 लाख रूपये की कुल राशि बांटी गई । वर्ष 2009–10 में 56 विकलांग लाभार्थियों को 29.75 लाख रूपये की राशि बांटी गई ।

ज. वर्ष 2009–10 में हरियाणा सरकार ने लाडली योजना के तहत इस जिलें में 1249 परिवारों को 71.21 लाख रु राशि द्वारा लाभांन्वित किया गया । वर्ष 2009–10 में लाड़ली योजना के तहत 1249 गरीब परिवारों को लाभांवित किया गया । इसके तहत 71.23 लाख रुपये वितरित किए गए।

19. विविध

स्थानीय निकाय :– वर्ष 2009–10 में जिले की 5 नगरपालिकाओं में 1633 लाख रूपये की आय हुई तथा 1221 लाख रूपये व्यय हुए । आय व्यय से 412 लाख रूपये अधिक रही ।

जिला राजस्व :– जिले में राजस्व का मुख्य स्त्रोत उत्पादन व बिक्री कर हैं । वर्ष 2009–10 में हरियाणा मूल्य वघित कर अधिनियम 2003 द्वारा निर्धारितयों की संख्या 7876 थी तथा केन्द्रीय बिक्री कर एक्ट 1956 के तहत निर्धारितों की संख्या वर्ष 2009–10 में 7837 थी । हरियाणा मूल्य वर्धित कर एक्ट 2003 के तहत 970440 हजार , केन्द्रीय बिक्री कर एक्ट 1956 के तहत 17140 हजार रूपये तथा मनोरंजन कर से 2124 हजार रूपये प्राप्त हुए ।

आवास योजना :– 1923 मकान , इन्दिरा आवास योजना के तहत वर्ष 2009–10 में हरिजन परिवारों को उपलब्ध करवाए गए ।

पुलिस तथा अपराध :– 31 दिसम्बर 2010 को जिले में 13 पुलिस स्टेशन तथा 15 पुलिस चौकियां भी स्थापित की गई । वर्ष 2010 में 1722 अपराध दर्ज किये गए । गत वर्ष यह संख्या 1956 थी । इनमें से 36 हत्या , 1 डकैती , 313 सैंध चोरी , 110 साधारण चोरी , 14 लूट , 43 अपहरण , 29 दंगा या अवैध सभा , 3 सदोष मानव हत्या , 1 सिक्का बनाना व 1149 अन्य अपराध थे ।

अग्निशमन सेवाएं :– वर्ष 2009–10 में जिलें में 6 अग्नि सेवा केन्द्र थे । इनमें से सिरसा में दो , डबवाली में 2 , कांलावाली तथा ऐलनाबाद में एक–एक केन्द्र हैं ।

मनोरजन :– जिले में सिनेमाघरों द्वारा वर्ष 2009–10 में मनोंरंजन की सुविधाएं प्रदान की गई । गांव मोरीवाला (सिरसा) में एक अत्याधुनिक सिनेमाघर बनाया गया हैं सिरसा शहर के बाहर विभिन्न खेलों का महान स्टेडियम हैं । वर्ष 2001–02 में यहां पर इंडोर स्डेडियम बनकर तैयार हो गया हैं । वर्ष 2004–05 में सिरसा में एक शहीद भक्त सिंह स्टेडियम बनाया गया । गांव चौटाला में भी एक आधुनिक स्टेडियम बनाया गया हैं ।

विकेन्द्रीयकृत योजना :– यह स्कीम 1986 –87 में प्रारम्भ की गई । इनमें स्थानीय आवश्यकताओं के मध्य नजर रखते हुए हरिजन चौपाल , स्कूल के कमरे , पीने के पानी की टंकी , पक्की गलियां , पुलियां , पंचायत घर आदि तथा शहरों में पानी की निकासी , गलियों में पानी के नलके , गलियां पक्की आदि का कार्य किया जाता हैं । वर्ष 2009–10 में 1575.00 लाख व 2010–11 में 1320.00 लाख रूपये इस योजना के तहत जारी किए गए ।

20. अन्य

सिरसा में मिनी सचिवालय बना हुआ हैं । सिरसा शहर में वर्ष 2003–04 में इसका विस्तार किया गया। ऐलनाबाद में भी नया बस अड्डा व मिनी सचिवालय बनाया गया हैं । सिरसा शहर में एक पंचायत घर भी हैं । जिला सिरसा में वर्ष 2006–07 में सूचना प्रौद्योगिकी का विस्तार किया गया । जिलें के आठ ICDS खण्ड़ों में बाल विकास परियोजना कार्यरत हैं । इसके तहत गांवों में आंगनवाड़ी केन्द्र स्थापित करके शिशुओं व गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं । कामकाजी व महिला आवास सिरसा शहर में बनाया गया हैं । गांवों में 914 आंगनवाड़ी केन्द्र हैं। जिनमें कार्य प्रगति पर है।

जिला सिरसा एक नजर

क्र.स.	विवरण	2009–10
1	2	3
1.	भौगोलिक क्षेत्रफल (वर्ग कि. मी.)	4277
2.	कुल जनसंख्या (2001 की जनसख्या के अनुसार) ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या	1116649 823184 293465
3.	तहसील संख्या	4
4.	विकास खण्ड़ संख्या	7
5.	कुल गांव	325
6.	शहर संख्या	5
7.	औसत वार्षिक वर्षा (से0 मि. में)	24.1
8.	निविल सिंचित क्षेत्र (हजार हैक्टेयर में)	353
9.	खाद का वितरण टन नाईट्रोजन टन फासफोरस टन पोटास , जिंक सल्फेट टन	138014 96214 33415 8385
10.	अनाज का उत्पादन	1646
11.	नलकूप /पम्पसैट संख्या	56651
12.	ट्रैक्टर संख्या	25613
14.	सहकारी समितियां समितियों की संख्या कुल सदस्यता	 1903 195871

15.	पशु हस्पताल	59
16.	उद्योग पंजीकृत फैक्टीयां कार्यकारी फैक्ट्रीयां कर्मचारी संख्या	 31 123 6857
17.	शिक्षा प्राथमिक विद्यालय संख्या विद्यार्थी संख्या माध्यमिक विद्यालय संख्या विद्यार्थी संख्या उच्च/उच्चतर मा. विद्यालय विद्यार्थी संख्यां	 603 100994 160 14539 262 140678
18.	औषधालय एवं चिकित्सा सुविधा सरकारी अस्पताल संख्या प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संख्या आर्युवैदिक व यूनानी संख्या डिस्पैन्सरी संख्या	 4 24 37 11
19.	स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था संख्या	325
20.	परिवार कल्याण केन्द्र नलबन्दी/नसबन्दी संख्या आई. यू. डी. संख्या	5 86 8514
21.	सड़के (कि. मी.) पक्की सड़के (कि. मी.) कच्ची सड़के (कि. मी.)	2167 2160 7
22.	डाक व तार डाकघर संख्या तारघर संख्या टेलिफोन केन्द्र सार्वजनिक टेलिफोन घर	 162 3 75 407